

up a separate working group because it is the responsibility of the Ministry of External Affairs to follow up all the decisions taken during the visit of the hon. Prime Minister to China and we have already started doing it.

But, Sir, before I finish my reply, I would like to make a slight correction to what I said in my reply to the previous question. Actually, it is not Shri Arun Jaitley who is going to Montreal, but it is Shri Arun Shourie who is going to Montreal.

श्रीमती सविता शारदा: धन्यवाद, सभापति महोदय। मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में बताया है कि जून, 2003 में प्रधान मंत्री जी की हाल की चीन यात्रा से भारत और चीन के भावी द्विपक्षीय संबंधों पर साझा विचार विकसित होंगे। इसके लिए मैं प्रधान मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूँ।

श्री सभापति: अब धन्यवाद देने के बाद प्रश्न किस बात का रह गया?

श्रीमती सविता शारदा: महोदय, मेरा प्रश्न है कि इस यात्रा के दौरान चीन के साथ हुए व्यापार समझौते में चीन ने नाथूला के रास्ते से व्यापार करने की सहमति दी है, लेकिन चीन ने सिक्किम को भारत का अभिन्न अंग नहीं माना है और 29 अप्रैल, 1975 को की गई घोषणा में चीन ने सिक्किम के भारत में विलीनीकरण को अवैध घोषित किया था। वह उसे ही मान रहा है, क्या यह सच है और मेरे प्रश्न का "ब" भाग है कि चीन ने 8 सितम्बर को...

श्री सभापति: आज प्रधान मंत्री जी का वक्तव्य हो रहा है, उसे देख लीजिए।

### **Unemployed persons**

\*66. SHRI MATILAL SARKAR: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) the number of unemployed persons registered in the regional employment exchanges in all States of the country up to the 30th June, 2003;

(b) the number of persons that lost jobs from 1st January, 1998 to December, 2003 on account of privatization of Public Sector Enterprises; and

(c) Government's policy to overcome the explosive and growing unemployment problems?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI SAHIB SINGH VERMA):  
(a) to (c) A Statement is laid on the table of the House.

**Statement**

(a) Number of jobseekers, all of whom are not necessarily unemployed, on the live register of employment exchanges in the country as on April 30, 2003 (latest available) was of the order of 4.07 crore.

(b) Details of disinvested companies for which data are available are given in the annexure. [See Appendix 199, Annexure No. 2]

(c) With a view to meet the unemployment challenge, Government constituted a Special Group in the Planning Commission for targeting 50 million employment opportunities during the Tenth Plan Period. The employment strategy suggested by the Special Group provides for creation of 30 million employment opportunities through normal growth process and 20 million by implementing special employment generation programmes. The strategy recommended by the Special Group has been considered for implementation during the Tenth Plan.

SHRI MATILAL SARKAR: Sir, the real fact has come out from the reply that the Government have taken a policy decision of reducing manpower in the public sector undertakings through privatisation. It is stated in the reply given. Sir, as many as 8,292 persons have lost their jobs due to disinvestment of various companies, of which, the barest figure comes to 6,597. Now, will the hon. Minister be pleased to state why the Central Government have taken a policy decision to stop creation of new posts and to declare vacant posts as abolished and sent two per cent of the workers out of service? I would also like to know reasons behind issuing instructions to the State Governments in this regard.

श्री साहिब सिंह वर्मा: सभापति जी, स्टेटमेंट में पूरा जवाब दिया गया है। इसमें 33 हमारे ऐसे एस्टेब्लिशमेंट थे, जिनको डिसइंवेस्ट किया गया था और जैसा माननीय सदस्य ने कहा है, उसमें करीब 8000 लोगों ने वी आर एस लिया है। यद्यपि यह स्पष्ट किया गया था कि किसी को निकाला नहीं जाएगा और मुझे यह कहते हुए खुशी होती है, जो हमने जांच करवाई है, अभी तक उसके अनुसार बिना वीआरएस के किसी को नहीं निकाला गया है और वह स्थिति जो एम्पलाइज की थी, जो वीआरएस लेकर गए हैं उनको छोड़कर, यथावत है।

SHRI MATILAL SARKAR: Sir, I have not received reply to the question that had been put by me. Why has the Government taken a policy to stop creation of new posts; to declare vacant posts null and void; to throw two per cent of the workers out of service every year; to

compel the State Governments to sign a memorandum of understanding to this effect?

श्री साहिब सिंह वर्मा: सर, अभी जिस तरह से जितनी उनकी आवश्यकता है, पहले अधिकतर जगह पर स्टाफ की अधिकता थी और इसलिए भविष्य में जितनी जगह खाली होती हैं, वे न भरी जाएं और उसमें किफायत करने के लिए ताकि वे लौस में न जाएं, उसी कारण से यह सब किया गया है। ... (व्यवधान)...

श्री मतिलाल सरकार: अनम्पलायमेंट का सोल्यूशन कहां से आएगा?

श्री सभापति: सुनिए, सुनिए। ... (व्यवधान) ... आप बैठिए। बोलने दीजिए। ... (व्यवधान) ... बोलने दीजिए। आप बोलिए ... (व्यवधान) ... मंत्री महोदय को आप सुनिए।

श्री साहिब सिंह वर्मा: माननीय सभापति जी, यह प्रश्न जो है, केवल सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के निजीकरण के बारे में आपका मूल प्रश्न है। जो बात आप कह रहे हैं, और जो मैं आपको जवाब दे रहा हूं, यह सार्वजनिक क्षेत्र के जो उद्यम हैं उनके बारे में दे रहा हूं। मूल रूप से आपका प्रश्न यही है। डिसइंवेस्टमेंट हुआ, उसकी वजह से जो नौकरी कम हुई, क्या स्थिति पैदा हुई, उसके बारे में मैं आपको बता रहा हूं। जहां तक सरकारी क्षेत्र की बात आप कर रहे हैं, सरकारी दफ्तरों की बात कर रहे हैं, उसका जवाब मैं नहीं दे रहा हूं और वह मेरे अधिकार के अंतर्गत नहीं आता है।

श्री सभापति: श्रीमती एस० जी० इन्दिरा। ... (व्यवधान) ... नहीं, नहीं, यह एलाऊ नहीं करूंगा। बोलिए, इन्दिरा जी, आप बोलिए। ... (व्यवधान) ... मंत्री जी ने जवाब दे दिया है। यह गलत बात है। आप बैठ जाइए। ... (व्यवधान) ... कोई रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा, मेरी अनुमति के बिना बोला हुआ। आप बोलिए, क्वेश्चन करिए। ... (व्यवधान) ... आप बैठ जाइए। ... (व्यवधान) ... कोई रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा, बिना मेरी अनुमति लिए बोला हुआ।

SHRIMATI S.G. INDIRA: Sir, I would like to know from the hon. Minister whether the Government is having any proposal to set up special employment exchanges for the persons who have been retrenched due to privatization of public sector enterprises; if so, the details thereof?

श्री साहिब सिंह वर्मा: माननीय सभापति जी, इस प्रकार का कोई अलग से एम्पलायमेंट एक्सचेंज खोलने का कोई निर्णय नहीं है। जितने भी ऑलरेडी एम्पलायमेंट एक्सचेंज हमारे पास हैं, वहां हमारे पास सारी व्यवस्था है। अगर कोई चाहे तो वहां अपना नाम दर्ज करवा सकता है, अलग से कोई व्यवस्था उन लोगों के लिए एम्पलायमेंट एक्सचेंज खोलने की नहीं है।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, while replying to the supplementary, the hon. Minister has stated that his observations are

confined only to the public sector industries which have been disinvested. It is not so. Part (c) of the statement states the entire gamut of the employment generation, including the creation of the one crore jobs for each year during the Tenth Plan. Therefore, Part (c) of the statement is very comprehensive and the hon. Minister is not correct to say that his reply is confined only to the loss of jobs or creation of jobs in the public sector enterprises. He should correct his answer.... (Interruptions)....

श्री साहिब सिंह वर्मा: माननीय सभापति जी, जो पार्ट "सी" है उसमें है- "बेरोजगारी की विस्फोटक एवं बढ़ती हुई समस्याओं पर काबू पाने के संबंध में सरकार की नीति क्या है?" सरकार की नीति है, नीति बता रहा हूँ मैं सुनिए। ... (व्यवधान)...

SHRI PRANAB MUKHERJEE: You better agree that your observation is limited only to the disinvested public sector enterprises. It is not so. These 50 million jobs to be created in the entire economic sector, including the Government sector, is the total employment generated during the full five-year plan period. .... (Interruptions)... So, your reply to the supplementary of Mr. Matilal Sarkar and your observations confined only to the employment generation related to the disinvested public sector undertakings are not correct.

श्री साहिब सिंह वर्मा: सभापति जी, अभी मूल रूप से जो प्रश्न था, मैं फिर बता रहा हूँ, पार्ट बी में वह यही था, लेकिन फिर भी माननीय सदस्य ने जैसे कहा कि एक सरकुलर जा रहा है इस तरह का कि रिक्त-स्थान नहीं भरे जाने चाहिए। वे इकॉनमी मेज़र्स हैं जो लिए जा रहे हैं। पे कमीशन की रिपोर्ट में भी यह आया था, जब हमने पे बढ़ाई थी तो उसके अंदर यह आया था कि अगर इस तरह पद कम किए जाएंगे, रिक्त-स्थान नहीं भरे जाएंगे, तब इतना बर्डन देश के ऊपर आया था। 60 करोड़ रुपए का जो बर्डन देश के ऊपर पे कमीशन के रिवीज़न से आया, उसके कारण से ... (व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु: सर, यह जो इकॉनमिक बर्डन के बारे में बोल रहे हैं, वह क्या मज़दूर लेगा? ... (व्यवधान) ... इकॉनमिक को आगे बढ़ाने के लिए क्या मज़दूर की छंटी होनी चाहिए? ... (व्यवधान) ... He is openly defending ... (Interruptions)... Why is he there as the Labour Minister? ... (Interruptions)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: जो आपने बात की है, जो पार्ट थर्ड के बारे में कहा है, माननीय प्रधान मंत्री जी ने एक टास्क फोर्स under the Chairmanship of Dr. Montek Singh Ahluwalia was set up by the Planning Commission in 1999 to go into the

details of the employment generation taking place and suggest measures for creation of jobs. ....(Interruptions).... They submitted a report. ....(Interruptions).... Dr. S.P. Gupta submitted a report ....(Interruptions).... He submitted his report and on the basis of that report, I may say, Sir, that ....(Interruptions).... According to that, in the Tenth Five Year Plan ... (Interruptions)....

श्री सभापति: मैं अलाऊ करूंगा, बैठ जाइए।

श्री साहिब सिंह वर्मा: जो इन्होंने कहा है, पार्ट "सी" का जवाब मैं बताना चाहता हूँ कि माननीय प्रधान मंत्री जी ने एक टास्क फोर्स ... (व्यवधान)...

श्री सभापति: बैठिए। क्या कर रहे हैं आप? ... (व्यवधान)... बैठ जाइए। ... (व्यवधान)... बैठिए, बैठिए, बैठ जाइए। ... (व्यवधान)... मैंने क्वेश्चन सुन लिया है। ... (व्यवधान)... बैठ जाइए। ... (व्यवधान)...

SHRI SAHIB SINGH VERMA: Sir, they are getting confused with two things. ....(Interruptions).... सभापति महोदय, माननीय सदस्य दो चीजों में कन्फ्यूज कर रहे हैं, मैं स्थिति स्पष्ट करना चाहता हूँ। ... (व्यवधान)...

श्री सभापति: आप मत खड़े होइए, क्या मतलब निकलेगा? आपके किसी क्वेश्चन का जवाब नहीं आएगा। आप मैम्बर्स के ही क्वेश्चन हैं, मेरे क्वेश्चन नहीं हैं।

प्रो० सैफुद्दीन सोज़: सर, ... (व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठिए। मैं अलाऊ नहीं, करूंगा। ... (व्यवधान)... आप बैठ जाइए, मैं अलाऊ नहीं करूंगा। ... (व्यवधान)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: माननीय सभापति महोदय, मूल प्रश्न यह है कि कितने लोग एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज में दर्ज हैं, वह मैंने बताया कि 4,07,00,000 लोग रजिस्टर्ड हैं। दूसरा प्रश्न यह है कि इस डिस्इन्वेसमेंट के कारण कितने लोग बेरोजगार हो गए, उसके बारे में मैंने इनको उत्तर दे दिया है। ... (व्यवधान)... तीसरा इनका कहना यह है ... (व्यवधान)...

श्री सभापति: बैठिए, बैठिए, आप बैठ जाइए।

श्री साहिब सिंह वर्मा: तीसरा इनका कहना यह है कि यह जो अनएम्प्लॉयमेंट के बारे में विस्फोटक स्थिति हो गई है, उसके बारे में आप क्या कर रहे हैं। इनका कहना है कि एक सरकुलर आया है जिसमें कहा गया है कि इनको रोजगार नहीं मिलना चाहिए, रिक्त स्थान नहीं भरे जाने चाहिए, उसे दो परसेंट करना चाहिए। ये सब इकॉनमी मेजर्स हैं क्योंकि स्टाफ बहुत ज्यादा था सभी जगह पर। ... (व्यवधान)... लेट भी फिनिश। ... (व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, प्रधान मंत्री जी ने लाल किले की प्राचीर से आश्वासन दिया था कि एक वर्ष में एक करोड़ लोगों को रोजगार दिया जाएगा। प्रधान मंत्री जी यहां मौजूद हैं। वे इस प्रश्न का जवाब दें।... (व्यवधान).... देश की जनता को उन्होंने आश्वासन दिया था, देश की जनता को उन्होंने वचन दिया था। अच्छा यह होगा की प्रधान मंत्री जी इस संबंध में अपनी बात कहें... (व्यवधान).... मैं आपका संरक्षण चाहता हूँ... (व्यवधान)....

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: What is the policy of this Government for providing employment to the people? ... (Interruptions)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: मैं इसी का जवाब दे रहा हूँ। आपने 10 मिलियन जॉब्स के बारे में जो सवाल किया है, मैं इसी का जवाब दे रहा हूँ... (व्यवधान)....

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: What is the policy of the Government?

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, यदि प्रधान मंत्री जी अपने श्रीमुख से कहें तो ज्यादा अच्छा होगा... (व्यवधान)....

श्री सभापति: सुनिए, सुनिए... (व्यवधान).... आप अपना समय बरबाद कर रहे हैं... (व्यवधान)....

श्री सुरेश पचौरी: उन्होंने जो आश्वासन दिया था, उस आश्वासन का क्या हुआ... (व्यवधान)....

श्री साहिब सिंह वर्मा: प्रधान मंत्री जी ने कहा था कि हम 10 मिलियन जॉब्स हर साल क्रियेट करेंगे। इसी उद्देश्य से... (व्यवधान)....

श्री सभापति: वही बता रहे हैं। बोलने दीजिए... (व्यवधान)....

श्री सुरेश पचौरी: यह मामला प्रधान मंत्री जी से संबंधित है... (व्यवधान).... महोदय, सौभाग्य से प्रधान मंत्री जी यहां उपस्थित हैं। अच्छा यह होगा कि वे अपने श्रीमुख से बताएं कि देश की जनता को जो वचन उन्होंने दिया था कि एक वर्ष में एक करोड़ लोगों को रोजगार दिया जाएगा, उस वचन, उस आश्वासन का क्या हुआ? हम सौभाग्यशाली हैं कि प्रधान मंत्री जी यहां मौजूद हैं। वे इस बारे में कुछ बताएं तो ज्यादा अच्छा होगा... (व्यवधान)....

श्री साहिब सिंह वर्मा: सभापति जी, मेरी बात सुनिए... (व्यवधान).... मैं यह निवेदन करना चाहता हूँ कि प्रधान मंत्री जी ने यह घोषणा की थी कि हम हर साल 10 मिलियन जॉब्स देंगे। उसके लिए प्रधान मंत्री जी ने मोनटेक सिंह अहलुवालिया की कमेटी बनाई... (व्यवधान)....

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: सभापति महोदय, यह प्रश्न पहले भी उठया जा चुका है और आज फिर से इसकी पुनरावृत्ति हो रही है। देश में बेकारी है और उस बेकारी को दूर करने का

प्रयास होना चाहिए, इससे सब सहमत हैं। सरकार ने अपने सामने लक्ष्य रखा था कि एक वर्ष में हम एक करोड़ नए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे...(व्यवधान)....

श्री सभापति: आप सुनिए ना...(व्यवधान).... ये क्या बात कर रहे हैं, सुनिए तो सही।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का अर्थ यह नहीं है कि उन लोगों को सरकारी दफ्तरों में नौकरी दे दी जाएगी।...(व्यवधान)....

श्री लालू प्रसाद: कैसे देंगे, यह साफ साफ बता दीजिए।

अटल बिहारी वाजपेयी: लालू जी, अर्थव्यवस्था का इस तरह से विकास किया जाएगा कि बिहार में नौकरियां दिखाई देगी।

श्री सभापति: यह तो आप बिहार के साथ पक्षपात कर रहे हैं...(व्यवधान)....

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: सभापति महोदय, एक बार इस पर विस्तार से चर्चा हो चुकी है और मैंने आंकड़े प्रस्तुत किए थे। इस समय वे आंकड़े मेरे पास उपलब्ध नहीं हैं। मैंने उन आंकड़ों के द्वारा सदन में यह बताया था कि 80 लाख लोगों को रोजगार के नए अवसर दिए गए हैं और इसका विवरण हमारे पास तैयार है...(व्यवधान).... हर साल एक करोड़ रोजगार के नए अवसर दिए जाएंगे में इसके विस्तार में नहीं जाना चाहता लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि हम आपने वायदे पर कायम हैं और इसे हम जरूर पूरा करेंगे।

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, अनइम्प्लायमेंट की समस्या का डिस्कशन करा दीजिए..(व्यवधान)....

MR. CHAIRMAN: Next Question, Shrimati Vanga Geetha.

\* 67. [The Questioner (Shrimati Vanga Geetha) was absent. For answer vide pages 29-30.]

### Roads in Tamil Nadu

\*68. SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Will the Minister of ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

(a) what is the total length of roads Government have proposed to include as National Highways in Tamil Nadu; and

(b) the particulars of such roads?

THE MINISTER OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI): (a) and (d) A Statement is laid on the table of the House.